बुलडोजर कार्रवाई पर असम सरकार को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

अशोका एक्सप्रेस

SMA - Ashoka Express Publication

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती

प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्ष: 27 ● अंक : 36 ● नई दिल्ली ● 01 से 08 अक्तूबर 2024 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

राहुल ने दिया एकजुटता का संदेश, मंच पर मिलवाया भूपेंद्र हुड्डा-कुमारी सैलजा का हाथ

हरियाणा। अंबाला में कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता राहुल गांधी ने एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा कि महिला शक्ति योजना के तहत महिलाओं के बैंक खातों में हर महीने 2000 रुपये जमा किये जायेंगे। एलपीजी सिलेंडर 500 रुपए में दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम सामाजिक सुरक्षा के लिए पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू करेंगे और विधवाओं, बुजुर्गों और विकलांगों के बैंक खातों में हर महीने 6000 रुपए जाएंगे। गारंटीशुदा एमएसपी दी जाएगी। राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा सरकार पहला कदम है। यहां बदलाव होगा लेकिन जब दिल्ली में सरकार आएगी तो मैं जानना चाहता हूं कि गरीबों की जेब में कितना पैसा जा रहा है और उनकी जेब से कितना पैसा निकल रहा है और मैं इसे छोड़ने वाला नहीं हूं। सब जो छोटी पार्टियां यहां (हरियाणा में चुनाव लड़ रही हैं) वे भाजपा की पार्टी हैं। उनका रिमोट कंट्रोल उनके हाथ में है। उन्होंने रकहा कि लड़ाई बीजेपी और कांग्रेस के बीच है। यह विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ न्याय है, दूसरी तरफ अन्याय। यह मोदी जी की सरकार नहीं है। ये अडानी की सरकार है। हम हरियाणा में अडानी जी जैसे लोगों की सरकार नहीं चाहते। हम हरियाणा में किसानों और गरीबों की सरकार चाहते हैं। राहुल ने कहा कि अडानी खेत में मेहनत नहीं करते, कोई छोटा व्यापार नहीं करते। लेकिन हर सुबह उनके बैंक अकाउंट में सुनामी की तरह पैसा आ रहा है। जितना पैसा उनके अकाउंट में सुनामी की तरह घुस रहा है...उतना ही पैसा आपके बैंक अकाउंट से तूफान की तरह निकलता जा रहा है। वहीं, इस दौरान प्रियंका ने कहा कि हमारे पहलवानों के साथ क्या किया गया? उन्हें सड़क पर बैठाया गया, वे विरोध करते रहे। प्रधानमंत्री के पास उनसे मिलने के लिए 5 मिनट भी नहीं थे। और फिर आप सभी ने देखा कि हाल ही में ओलंपिक में क्या हुआ। आप लड़ने वाले लोग हैं, आप स्वाभिमानी हैं। आप महंगाई के खिलाफ लड़ रहे हैं, संघर्ष कर रहे हैं। सरकार आपके लिए कुछ नहीं कर रही। अगर आज स्वाभिमान से जीना चाहते हो, न्याय चाहते हो तो इस सरकार को उखाड़ फेंको।

- अग्निवीर योजना पर साधा निशाना
- अडानी पर साधा निशाना
- बेरोजगारी का मुद्दा उठाया
- कृषि कानूनों पर किया सवाल

सुल्तानपुरी, वार्ड नं. 43
के बी-सी ब्लॉक के

अनागरिक
गीता भारती

आरक्षण के लाभ से बने सांसद, विधायक व निगम पार्षद जी

डॉ.बी.आर अम्बेडकर पार्क

वर्षो से बदहाली का शिकार क्यो?

जवाब दो-हिसाब दो माननीय सदस्य

पार्क के चारो ओर से टूटी बॉउन्ड्रीवाल, ग्रिले गायब

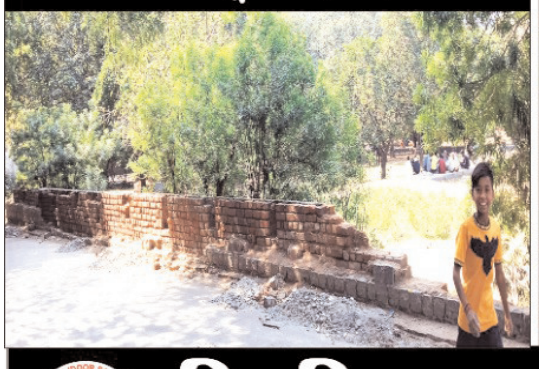

कूड़े का अंबार, आवारा पशु, सुअर, कुत्ते, गाय का डेरा, चौकीदार, माली वर्षो से फरार

हरे-भरे पेड़, घांस, हरियाली, फुटपाथ गायब

सुल्तानपुर माजरा विधानसभा की पहचान

रिपब्लिकन मज़दूर संगठन

सार्वजनिक दिवारो पर पोस्टर लगाना वर्जित है!

सक्षम भारत प्रिन्टर्स

विजय कुमार भारती

किराड़ी जिला कांग्रेस कमेटी, महासचिव/पत्रकार

सम्पादकीय

अब कोई महात्मा गांधी नहीं हो सकता...!

लोग महात्मा हो सकते हैं, गांधी भी हो सकते हैं लेकिन महात्मा गांधी नहीं हो सकते। भारत के महात्मा गांधी एक थे, एक हैं और एक ही रहेंगे। आज बापू को हमसे छीने हुए भले ही 76 वर्ष हो गए हैं, लेकिन हमेशा ऐसा लगता है कि जैसे कल की ही बात हो। 30 जनवरी, 1948 को नाथूराम गोडसे ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तीन गोलियां मारकर हत्या जरूर कर दी लेकिन उनके विचारों और प्रेरणा की हत्या हो ही नहीं सकती। बापू को सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए याद किया जाता है। उनकी प्रेरणाएं- कि हम वर्तमान में क्या करते हैं; भीड़ में खड़ा होना आसान है लेकिन अकेले खड़े होने की हिम्मत होनी चाहिए; बिना विनम्रता की सेवा स्वार्थ और अहंकार है; पाप से घृणा करो, पापी से प्रेम करो; वह बदलाव बनो जैसा खुद बनना चाहते हो; इंसान के रूप में सबसे बड़ी क्षमता दुनिया को बदलने की नहीं, खुद को बदलने की हो; मानवता की महानता मनुष्य होने में नहीं, बल्कि मनुष्य दिखने में है; किसी को भी अपने गंदे पैरों से अपने दिमाग में नहीं चलने दें; कमजोर कभी माफ नहीं कर सकते जबकि क्षमा ताकतवर की विशेषता है। गांधी जी चेतना का चिंतन थे और चिंतक की चिंता। वे मानते थे कि जिस देश या समाज के पास चिंतन और चेतना नहीं, वह ज्ञान और सेवा का देश या समाज बन ही नहीं सकता। यही संयम उनकी साधना थी, तो नियम उनकी नैतिकता। दोनों उनके लोकाचार थे। सबको पता है कि अहिंसा और शांतिपूर्ण तरीकों के माध्यम से भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सबसे प्रमुख भूमिका निभाने वाले महात्मा गांधी सदा प्रासंगिक थे, हैं और रहेंगे। काल के क्रूर हाथों के चलते वह असमय हमारे बीच से चले गए, लेकिन उनके विचार जस के तस तरोताजा हैं और सबके मनःमस्तिष्क में हैं। वह गांधीवादी विचार ही है, जिस पर चलकर लाखों युवाओं ने अपने जीवन का मार्ग और जीने का तरीका बदला है। निश्चित रूप से यह गांधी जी ही सोच सकते थे कि ऐसे जिएं जैसे कि कल ही मरना है। ऐसा सीखें, जिनसे आपको हमेशा जिन्दा रहना है। हाड़-मांस के इस पुतले की कैसी निराली सोच थी कि डर शरीर की बीमारी नहीं हो, क्योंकि यह आत्मा को मारता है, इसलिए निडर रहें। विश्वास पर उन्हें अटूट भरोसा था, तभी तो वह कहते थे कि विश्वास करना एक गुण है, वहीं अविश्वास दुर्बलता की जननी है। उनकी दार्शनिक सोच आज भी सभी के लिए अनुकरणीय है। उनका मानना रहा कि जो समय बचाते हैं, वे धन बचाते हैं और बचाया हुआ धन, कमाए हुए धन के बराबर होता है। कैसी गूढ़ सोच थी कि आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी। आज दुनिया युद्ध के मुहाने पर क्यों है? शायद इसी नासमझी के कारण, जो एक-दूसरे को आंख दिखा रहे हैं। बापू का आजादी को लेकर नजरिया अलग और बेहद खास था। वह मानते थे कि आजादी का कोई मतलब नहीं, यदि इसमें गलती करने की आजादी शामिल न हो। निश्चित रूप से इसके पीछे यही भावना थी कि असफलता ही सफलता की सीढ़ी है। प्रसन्नता को लेकर भी उनकी सोच बेहद अलग थी। इसकी तुलना वह इत्र से करते और मानते कि प्रसन्नता ही एकमात्र वह इत्र है, जिसे आप दूसरों पर छिड़कते हैं तो कुछ बूंदें आप पर भी पड़ती हैं। जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण बेहद अलग था। बापू मानते थे कि लोग पहले आप पर ध्यान नहीं देंगे, जब देंगे तब हंसेंगे, फिर आपसे लड़ेंगे और तब आप जीत जाएंगे।

क्या शादी की जरूरत खत्म होती जा रही है?

अपने देश के काफी लोग बॉलीवुड के चलन को फॉलो करते हैं। पिछले कुछ वर्षों से बॉलीवुड सितारों में तलाक की घटनाओं में इजाफा देखा जा रहा है। हाल ही में बॉलीवुड की रंगीला फेम अभिनेत्री अपने तलाक को लेकर चर्चा में है। समाज में तलाक की घटनाओं को लेकर यह साफ है कि आज के दौर में शादी की धारणा में बदलाव आ रहा है। पहले शादी को एक पवित्र बंधन माना जाता था। एक बार शादी हो जाने के बाद पति-पत्नी के अलग होने की कल्पना भी नहीं की जाती थी। लेकिन समय के साथ-साथ शादी और तलाक दोनों की संख्या बढ़ रही है। कई मामलों में पति-पत्नी के बीच की छोटी-मोटी अनबन भी तलाक का कारण बन रही है। वहीं दूसरी ओर अवैध संबंध, लिव-इन रिलेशनशिप, डेटिंग और अमीर वर्ग में पत्नियों की अदला-बदली जैसे मामलों में वृद्धि हो रही है। यह सब पहले केवल विदेशों में ही देखे जाते थे, जिन्हें भारत में घृणित और अश्लील माना जाता था, लेकिन अब ये सभी तौर-तरीके और रिश्ते भारत में भी फैल चुके हैं। इसी कारण से महिलाएं अब स्वतंत्र रहना चाहती हैं और शादी नहीं करना चाहतीं। क्या यह ठीक सोच है? यदि यह ट्रैंड ऐसे ही आगे बढ़ता गया तो इन सबका परिणाम यह होगा कि आने वाले छह से सात दशकों में, यानी लगभग 2100 तक शादी की अवधारणा ही समाप्त हो जाएगी। इस बिन्दू पर मनोविज्ञान के विशेषज्ञों द्वारा एक ड्क्षचताजनक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि शादी जैसे रिश्ते कैसे आकार ले रहे हैं। सामाजिक बदलाव, बढ़ता व्यक्तिवाद और विकसित होती लैंगिक भूमिकाओं के चलते पारंपरिक विवाह अब टिक नहीं पाएंगे। आज की युवा पीढ़ी अब करियर, व्यक्तिगत विकास और अनुभवों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रही है। साथ ही लिव-इन रिलेशनशिप और अपरंपरागत रिश्तों में भी वृद्धि हो रही है। इससे शादी की आवश्यकता ही समाप्त होती जा रही है। इसके अलावा, तकनीक और आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस में प्रगति भी एक कारण है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस प्रगति से भविष्य में मानवीय संबंध अलग तरह के दिख सकते हैं। इसके अलावा जीवनयापन की बढ़ती लागत जैसे आर्थिक कारण भी लोगों को शादी के प्रति कम आर्जषित कर रहे हैं। खासकर महिलाएं अब आत्मनिर्भर जीवन जीना चाहती हैं। उन्हें शादी के बंधन की आवश्यकता महसूस नहीं होती। तलाक के मामले भारत में बाकी देशों के मुताबिक कम देखने को मिलते हैं, लेकिन पिछले कुछ सालों में भारत में तलाक के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ी है। भारत में तलाक के मामले 1.1 प्रतिशत से भी कम हैं, यानी दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले भारत में अब भी सबसे कम तलाक के किस्से देखने को मिलते हैं। संयुक्त राष्ट्र की हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ सालों में भारत में तलाक के मामले तेजी से बढ़े हैं। इसमें सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि यह ट्रैंड उन कपल में ज्यादा बढ़ा है, जो अपनी जिंदगी के 2 या 2 से ज्यादा दशक एक साथ बिता चुके हैं। यानी 10 या 20 साल साथ रहने के बाद इनकी शादी टूट रही है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर इसका कारण क्या है? पहले के समय में संयुक्त परिवार में एक-दूसरे पर सब निर्भर रहते थे। संयुक्त परिवार में रहने वाले कपल की शादीशुदा जिंदगी का भी एक प्रभाव हुआ करता था, लेकिन आज की 'न्यूक्लियर फैमिली' में कहीं न कहीं वह निर्भरता खत्म हो रही है। हालांकि यह पॉजीटिव भी है क्योंकि निर्भरता न होने के चलते कोई भी पार्टनर अपनी 'विषैली' शादी से आसानी से बाहर आ सकता है। लेकिन इसका नैगेटिव असर भी है, निर्भरता न होने की वजह से कपल के बीच रिश्ते मजबूत नहीं हो पाते। इसके अलावा आजकल की शादियों में जाति, धर्म और संस्कृति को पीछे रखा जाता है लेकिन शादी के बाद अक्सर पार्टनर में इन्हें लेकर टकराव होने लगता है, जो कि स्वाभिमान के टकराव में बदल जाता है। इस दौरान आर्थिक तौर पर आजाद पॉर्टनर सहमति के लिए तैयार नहीं होता। ज्यादातर मामलों में लोग प्रोफैशनल लाइफ और पर्सनल लाइफ के बीच टाइम का बैलेंस नहीं बना पाते, जिसकी वजह से पार्टनर्स को एक-दूसरे के साथ कुछ भी शेयर करने का मौका नहीं मिलता। इससे दोनों में दूरियां बन जाती हैं। इसके अलावा लोगों को आजकल पहले से ज्यादा आजादी मिली हुई है। औरत हो या मर्द, हरेक का रोजाना बाहर नए लोगों से मिलना-जुलना रहता है, जिससे कई बार लोग अपने रिश्ते में बेवफाई करने लगते हैं, जिससे पार्टनरों के बीच तलाक हो जाता है। आजकल लोग अपनी प्रोफैशनल लाइफ में अच्छी कारगुजारी के लिए अपनी पर्सनल लाइफ से समझौता करने लगते हैं, जिससे भी तलाक के मामले बढ़ रहे हैं। आज बहुत से लोग सोचते हैं कि शादी एक बंधन है, जिसमें आजादी नहीं होती, भविष्य नहीं होता और करियर में भी आगे नहीं बढ़ा जा सकता। ऐसे विचार रखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे आजकल बहुत से लोग शादी करने के लिए तैयार नहीं हैं।

प्रदूषण से निपटने के दिखावटी उपाय, आधे-अधूरे प्रबंध

मानसून की वापसी के बाद लगभग आधे भारत में मौसम बदलने का सिलसिला शुरू हो जाता है और उत्तर पश्चिम की तरफ से आने वाली हवाओं के चलते कुछ ही दिनों में हल्की ठंड का आभास होने लगता है। ठंड के चलते हवा में प्रदूषणकारी कण बढ़ जाते हैं, क्योंकि वे धरती की सतह से ज्यादा ऊपर उठ नहीं उठ पाते। इसी के चलते प्रदूषण बढ़ने लगता है। प्रदूषण के इन कणों में वाहनों का उत्सर्जन, लकड़ी, उपले या कोयला जलाने से निकलने वाला धुआं और धूल तो शामिल होती ही है, पराली का धुआं भी शामिल होता है। बीते कुछ दिनों से पंजाब से खबरें आ रही हैं कि वहां पराली जलनी शुरू हो गई है। पिछले लगभग एक दशक से उत्तर भारत और खास तौर से दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण बढ़ते ही केंद्र सरकार, सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न प्रदूषण रोधी एजेंसियां सक्रिय हो जाती हैं। चूंकि सबसे पहले दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण सिर उठाता है, इसलिए दिल्ली सरकार की प्रदूषण रोधी गतिविधियां भी बढ़ जाती हैं। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ग्रेप सिस्टम बनाया हुआ है। इसके तहत दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआइ बढ़ने यानी हवा की गुणवत्ता खराब होते ही चरणबद्ध तरीके से तरह-तरह की पाबंदियां लगाई जाने लगती हैं। इनमें निर्माण कार्यों और औद्योगिक गतिविधियों पर रोक तथा आड-इवन सिस्टम लागू करने से लेकर अन्य प्रदेशों के डीजल वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी भी शामिल है। अभी तक का अनुभव यही बताता है कि ये उपाय प्रभावी नहीं साबित होते। यह किसी से छिपा नहीं कि पंजाब, हरियाणा आदि में पराली जलाने के उपाय कारगर नहीं हो पा रहे हैं। पंजाब में पराली जलने की खबरें आने से यही साबित होता है कि उसे जलाने से रोकने के जो प्रबंध किए गए हैं, वे आधे-अधूरे ही हैं। कहां कितनी पराली जलाई गई, इसका आंकड़ा तो सामने आ जाता है, लेकिन कोई नहीं जानता कि उसे जलाने से रोकने में सफलता कब मिलेगी? शायद इसी कारण पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पराली जलने से रोकने के उपाय हवा में ही हैं। कुल मिलाकर इस बार भी इसके आसार नहीं कि पंजाब और अन्य राज्यों में पराली को जलने से रोका जा सकेगा। वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए सरकारों को जो कड़े कदम उठाने चाहिए, वे इसलिए नहीं उठाए जा पा रहे हैं, क्योंकि उन्हें लेकर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति होती रहती है

और नौकरशाही भी समय पर सही फैसला करने के बजाय हीलाहवाली करती है। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के अन्य बड़े शहरों में सड़कों पर अतिक्रमण और उसके चलते ट्रैफिक जाम आम है। इसके अलावा रिहायशी इलाकों में औद्योगिक गतिविधियां संचालित होना भी आम है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि औद्योगिक क्षेत्रों को सही रूप में विकसित नहीं किया जा सका है। समस्या यह भी है कि इसके बारे में कोई परवाह नहीं की जाती कि निर्माण स्थलों पर धूल को नियंत्रित किया जाए। सरकारें चाहें तो निर्माण स्थलों और साथ ही सड़कों से उड़ने वाली धूल को नियंत्रित कर सकती हैं, लेकिन इसके लिए वे कोई ठोस उपाय नहीं कर रही हैं। सरकारें और उनकी एजेंसियां अनियोजित औद्योगिक गतिविधियों पर भी लगाम नहीं लगा पा रही हैं। वे कूड़ा-करकट को जलाने से रोकने में भी नाकाम हैं। प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए जैसी राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है, उसका परिचय नहीं दिया जा रहा और इसी के चलते उन कारणों का निवारण नहीं हो पा रहा, जिनसे हवा की गुणवत्ता खराब होती है। चूंकि अपने देश में वायु प्रदूषण को लेकर वैसी जागरूकता नहीं, जैसी होनी चाहिए, इसलिए उसके प्रति समाज का एक छोटा सा वर्ग ही अपनी चिंता दिखाता है। आम तौर पर पर्यावरणविद्, शहरी अभिजात्य वर्ग और कुछ अन्य लोग ही वायु प्रदूषण से चिंतित होते हैं। इसी कारण न तो नेता उसकी परवाह करते हैं और न ही नौकरशाह। यह स्थिति तब है, जब एक के बाद अध्ययन यह बताते हैं कि वायु प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। सरकारों के लिए यह आवश्यक है कि वे वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के मामले में वोट बैंक की परवाह करना छोड़ें। अभी वे किसानों से लेकर कारोबारियों तक को वोट बैंक की निगाह से देखती हैं और इसीलिए ठोस कदम नहीं उठातीं। वायु प्रदूषण पर लगाम तब लगेगी, जब प्रदूषण फैलने के कारणों का निवारण करने के लिए कड़वी गोली का सहारा लिया जाएगा और जनता को जागरूक किया जाएगा। यह देखा जा रहा है कि किसान हों या अन्य आम लोग, वे वायु प्रदूषण की मुश्किल से ही चिंता करते हैं। वे न तो इसमें दिलचस्पी लेते हैं कि पराली न जले और न ही इसमें कि तंदूर-अंगीठी आदि का इस्तेमाल न हो। इसीलिए सर्दियों में कूड़ा-करकट भी जलता रहता है और सड़कों एवं निर्माण स्थलों से धूल भी उड़ती रहती है। औसत लोग यह महसूस ही नहीं करते कि वायु प्रदूषण सबसे अधिक उनके लिए ही जानलेवा साबित होता है। मीडिया से लेकर उच्चतम न्यायालय और प्रदूषण पर निगाह रखने वाली राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं प्रदूषण पर कितनी ही चिंता जताएं, आम आदमी पर उसका कोई फर्क नहीं पड़ता। औसत लोग अपने क्षेत्र के नेताओं के बारे में यह जानने-समझने की कोशिश ही नहीं करते कि वे प्रदूषण के कारणों का निवारण करने के लिए सक्रिय भी हैं या नहीं? इसी का नतीजा यह है कि नेता भी प्रदूषण की रोकथाम के लिए कुछ नहीं करते। उन्हें पता है कि वे प्रदूषण को लेकर कितने भी निष्क्रिय रहें, उनकी राजनीतिक सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। सरकारों को यह समझना होगा कि वायु प्रदूषण के सिर उठा लेने पर तरह-तरह की पाबंदियां लगाने से प्रदूषण के मूल कारणों का निवारण नहीं होने वाला। प्रदूषण केवल चंद दिनों की समस्या नहीं है। यह पूरे वर्ष की समस्या है। प्रदूषण कम या ज्यादा होता रहता है, लेकिन उससे पूरी तौर पर मुक्ति नहीं मिलती। ऐसे में दूरगामी रणनीति अपनाकर ही उसका सामना किया जा सकता है। प्रदूषण पर लगाम लगाने की चिंता हर समय की जानी चाहिए। वर्ष में कुछ माह उसे लेकर चिंतित होने से कुछ होने वाला नहीं है। चूंकि वायु प्रदूषण किसी राज्य विशेष की समस्या नहीं है, इसलिए सभी सरकारों को उससे मिलकर निपटना होगा।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें। Phone : 9810674206

रविवार का फायदा नहीं उठा सकी देवरा, अब भी करोड़ों रुपये छाप रही स्त्री 2

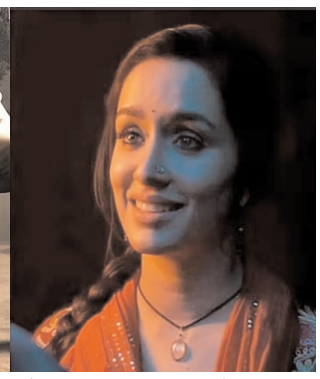

सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में प्रदर्शित हो रही है। हाल ही में जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा पार्ट वन रिलीज हुई है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन अछी कमाई की, लेकिन दूसरे दिन इसके कलेक्शन में 53 फीसदी की गिरावट नजर आई। वहीं, स्त्री 2 अब भी सिनेमाघरों में मजबूती के साथ टिकी हुई है। आइए जानते हैं कि रविवार को किस फिल्म ने कितनी कमाई की। देवरा में जूनियर एनटीआर के अभिनय को उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। फिल्म में उन्होंने डबल रोल निभाया है। कोरटाला शिवा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सैफ अली खान और जान्हवी कपूर भी हैं। फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो पहले दिन इसने 82.5 करोड़ रुपये की धांसू कमाई की। हालांकि, यह फिल्म दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बरकरार नहीं रख सकी। शनिवार के दिन फिल्म का कलेक्शन बढ़ने की बजाय काफी यादा कम हो गया। दूसरे दिन फिल्म ने 53 फीसदी की गिरावट के साथ 38.2 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। ताजा आंकड़ों के मुताबिक रविवार को भी फिल्म के कलेक्शन में कुछ खास सुधार नजर नहीं आया। तीसरे दिन फिल्म ने 40.3 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 161करोड़ रुपये हो गई है। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर अब भी शानदार कमाई कर रही है। रिलीज के बाद से इस फिल्म ने अब तक कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। जवान को पछाड़ने के बाद अब यह फिल्म 600 करोड़ के क्लब में शामिल होने के लिए पूरी कोशिश करती नजर आ रही है। 45वें दिन स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर दो करोड़ 10 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, ताजा आंकड़ों के मुताबिक 46वें दिन इस फिल्म ने दो करोड़ 65 लाख रुपये बटोरे हैं। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 588.25 करोड़ रुपये हो गया है।

लोगों के सामने बोलने से डरते हैं तैमूर, लेकिन जेह हैं अच्छे परफॉर्मर, सैफ ने किया खुलासा

सैफ अली खान अपनी हालिया रिलीज देवरा को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है और इसे दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया भी मिल रही हैं। फिल्म में सैफ अली खान विलेन की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। अब हाल ही में, अभिनेता ने अपने बचों के बारे में बात करते हुए कहा कि उन पर परिवार की अभिनय विरासत को आगे बढ़ाने का कोई दबाव नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि उनके दो बड़े बचे - सारा अली खान और इब्राहिम अली खान पहले से ही अभिनेता हैं। सैफ अली खान और करीना कपूर खान के बेटे तैमूर और जेह अक्सर मीडिया लाइमलाइट में रहते हैं। बहुत छोटी उम्र से ही वे पैपराजी के पसंदीदा बन गए थे। छोटे बेटे जेह हर बार अपने जुदा अंदाज से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेते थे। ऐसे में कई लोग जेह को करीना का छोटा वर्जन भी कहने लगे थे। हालांकि, अब सैफ ने बचों के भविष्य को लेकर खुलकर बात की है। सैफ ने हाल ही में, इंडिया टुडे से बातचीत के दौरान कहा, एक अछा इंसान, या एक सफल व्यक्ति, या देश की अछी सेवा करने वाले व्यक्ति के रूप में पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ाना एक फिल्म स्टार होने से अलग है। उन पर अभिनेता बनने का कोई दबाव नहीं है। भले ही मुझे लगता है कि यह एक शानदार काम है। बता दें कि रविवार को सोहा ने इंस्टाग्राम पर जन्मदिन के जश्न की कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें परिवार के सभी लोग नजर आए, उन्होंने कई तस्वीरों के साथ पोस्ट को कैप्शन दिया, हैप्पी सेवन। एक तस्वीर में वह अपनी मामी करीना को केक खिलाती नजर आ रही हैं, और एक तस्वीर में सैफ उनके गाल पर एक प्यारी सी किस देते नजर आ रहे हैं। दूसरी तस्वीरों में तैमूर और जेह बर्थडे पार्टी का लुत्फ उठाते और अपने कजिन को खास महसूस कराते नजर आ रहे हैं।

ऐसा लगता है कि बर्थडे बैश की थीम जानवरों और पालतू जानवरों के इर्द-गिर्द घूमती रही, क्योंकि बैकग्राउंड में डॉग और बिल्लियों के बड़े-बड़े कटआउट देखे जा सकते हैं। उनके केक के ऊपर एक छोटे से डॉग का भी इमेज था।

पलक सिंधवानी उर्फ सोनू ने लगाया असित मोदी पर मेंटली टॉर्चर करने का आरोप, बोलीं- मुझे धमकी दी गई

तारक मेहता का उल्टा चश्मा एक बार फिर सुर्खियों में है। बीते दिनों शो कुछ कारणों से विवादों में बना हुआ है। शो में सोनू भिड़े के किरदार में नजर आने वाली पलक सिंधवानी ने 5 साल बाद शो छोड़ने का फैसला लिया है। इसी के साथ ही पलक ने निर्माता और उनकी टीम पर कुछ आरोप भी लगाए हैं। इसकी शुरुआत तब हुई जब ये कहा जा रहा था कि मेकर्स उन्हें नोटिस भेजने वाले हैं क्योंकि उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट ब्रीच किया है। हालांकि अब कहानी कुछ और ही सामने आ रही है। पलक ने टेली टॉक को दिए एक इंटरव्यू में पलक ने तारक मेहता शो के मेकर्स पर मानसिक उत्पीड़न और उन्हें कई बार धमकी देने का आरोप लगाया है। पलक ने कहा-उन्होंने मुझे बहुत बार धमकाया है। वो अक्सर कहते थे कि शो छोड़ेगी तो अच्छा नहीं होगा। पलक का कहना है कि मैंने जिन ब्रांड्स को एंडोर्स किया है मुझसे उनके डिटेल्स मांगे गए और ये पूछा गया कि मैंने इनसे कितना पैसा कमाया। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि जब उन्होंने 5 साल पहले शो साइन किया था तो मेकर्स उनके ब्रैंड्स का प्रचार करने और विज्ञापन करने को लेकर सहमत थे। यहां तक कि उनके ऑनस्क्रीन कई साथी भी प्रचार आदि करते हैं। पलक ने बताया कि 5 साल में मेकर्स ने कभी उन्हें कोई कॉन्ट्रेक्ट नहीं दिया लेकिन अगले ही पल 19 सितंबर को उनके पास अचानक से कॉन्ट्रेक्ट की कॉपी आ गई। पलक ने बताया कि वो अंदर से टूट चुकी थीं और लगातार मेंटली टॉर्चर होने के बावजूद काम कर रही थीं जिसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ रहा था। बता दें कि इन सभी आरोपों पर असित मोदी की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। पहले ही कई अन्य स्टार्स उन पर आरोप लगा चुके हैं।

बड़े मिया छोटे मिया का रहा बेहद दर्दनाक अनुभव,वाशु भगनानी ने वाशु भगनानी के साथ काम करने से किया इनकार

वाशु भगनानी की छत्रछाया में बनी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की अलमारी से एक के बाद एक करके कंकाल बाहर निकल रहे हैं और अली अब्बास ज़फ़र पर पलटवार करने की उनकी पूरी कोशिशों के बावजूद, उनके सहयोगी बड़े मियाँ छोटे मियाँ का एक बड़ा हिस्सा यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आया है कि यह संदेश घर-घर तक पहुँचाया जाए कि वाशु ने उन्हें पूरा या आंशिक रूप से भुगतान नहीं किया है। वाशु भगनानी इंटरनेट पर छाए हुए हैं, क्योंकि कई कलाकारों और क्रू ने दावा किया है कि बड़े मियां छोटे मियां में काम करने के बाद उन्हें उनका बकाया भुगतान नहीं किया गया है। हालांकि, निर्माता का दावा है कि यह इसके विपरीत है और उन्होंने निर्देशक अली अब्बास जफर को धन के दुरुपयोग के लिए दोषी ठहराया है। इस प्रोजेक्ट पर काम करने वाले अभिनेता रोनित रॉय ने भी इसी तरह की घटना पर अपने विचार साझा किए और वाशु के साथ फिर कभी काम न करने की कसम खाई। वाशु भगनानी और बड़े मियां छोटे मियां के भुगतान की पहेली ने सभी का ध्यान खींचा है। फिल्म की क्रू और निर्देशक अली अब्बास जफर द्वारा पूजा एंटरटेनमेंट पर बकाया भुगतान न करने का आरोप लगाने के बाद रोनित रॉय ने भी निर्माता और उनके प्रोडक्शन हाउस के खिलाफ आवाज उठाई है। रोनित रॉय को कुछ भुगतान तो मिल गया है, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें यह बहुत बाद में मिला, जब निर्देशक की टीम ने हस्तक्षेप किया। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अभिनीत बड़े मियां छोटे मियां में कर्नल आदिल शेखर आज़ाद की भूमिका निभाने वाले रोनित रॉय ने हाल ही में कहा कि फिल्म पर काम करने का उनका अनुभव दर्दनाक था। इसके अलावा, अभिनेता ने पूजा एंटरटेनमेंट के वाशु भगनानी के साथ काम करने से इनकार कर दिया। जूम से बात करते हुए, रोनित ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें अपने काम के लिए अभिनय शुल्क का हिस्सा बनने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि भुगतान, जो वाशु भगनानी से आना था, में देरी हुई और हिमांशु मेहरा (जो क्रू के निर्देशक अली अब्बास ज़फ़र के साथ काम करते हैं) के हस्तक्षेप के बाद ही प्रक्रिया पूरी हुई। इसके अलावा, अभिनेता ने पूजा एंटरटेनमेंट के वाशु भगनानी के साथ काम करने से इनकार कर दिया। उन्होंने आगे कहा, ÷और जब मुंबई में सेट की सुरक्षा करने वाले मेरे कर्मचारियों और मेरी सुरक्षा कंपनी के बकाया की बात आई, तो इसमें बहुत देरी हुई और हमें वह भी हिमांशु मेहरा की वजह से मिला। इसके अलावा, रॉय ने कहा कि हिमांशु के आग्रह पर उनके कर्मचारियों को दुबई सब्सिडी से भुगतान किया गया था।

उन्होंने कहा, हिमांशु और ज़फ़र अब केवल यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि कम से कम समय में अधिकतम भुगतान हो जाए। हाल ही में वाशु ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि अली ने BMCM प्रोडक्शन को हाईजैक कर लिया है। जवाब में रॉय ने कहा, वाशु हर दिन सेट पर थे।

वह एक अनुभवी हैं। यह विश्वास करना मुश्किल है कि उन्हें सेट पर यह कैसे पता नहीं चला। 2 सितंबर, 2024 को बांद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

छोटी उम्र में सिर से उठा पिता का साया, 17 की उम्र में गाया पहला गाना, दिलचस्प है शान की कहानी

आज अपना जन्मदिन मना रहे लोकप्रिय गायक शान, किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वह एक मशहूर भारतीय गायक हैं, जो मुख्य रूप से हिंदी गानों को अपनी आवाज देते हैं। 30 सितंबर 1972 को मध्य प्रदेश के खंडवा में जन्में शान ने देश भर में कई फैंस बनाए हैं। शान के नाम से मशहूर लोकप्रिय गायक का पूरा नाम शांतनु मुखर्जी है। संगीत से रिश्ता इन्हें विरासत में मिला है। शान के दादा, जहर मुखर्जी एक जाने-माने गीतकार थे, जबकि उनके पिता मानस मुखर्जी एक संगीत निर्देशक थे। वहीं, उनकी बहन सागरिका भई एक गायिका हैं। अपनी गायकी के लिए शान को दो फिल्म फेयर पुरस्कार और तीन अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार भी मिल चुका है। शान ने 2000 के दशक में खुद को अग्रणी गायकों में से एक के रूप में स्थापित किया, लेकिन इससे पहले उन्होंने विज्ञापनों के लिए जिंगल्स गा कर अपने करियर की शुरुआत की थी।13 साल की उम्र में पिता को गंवाने के बाद से ही वह गायकी में सक्रिय हो गए। इसके बाद उन्होंने रीमिक्स और कवर वर्जन भी गाए। इसके बाद उन्होंने कुछ सफल एल्बम भी रिकॉर्ड किए, जिनमें नौजवान और क्यू-फंक शामिल है। शान ने साल 1999 में फिल्म प्यार में कभी कभी ने बतौर पार्श्व गायक अपने करियर का आगाज किया। साल 2000 में उनके एल्बम तन्हा दिल का एक गाना तन्हा दिल तन्हा सफर काफी पसंद किया गया। इस एल्बम के लिए उन्हें भारत के पसंदीदा

कलाकार के लिए एमटीवी एशिया पुरस्कार भी जीता। जब उन्होंने पहली बार किसी फिल्म में गाना गाया, तो उनकी उम्र महज 17 साल की थी। 1989 में आई फिल्म परिंदा के लिए उन्हें एक ही लाइन गाने का अवसर मिला था। इस दौरान उन्होंने आरडी बर्मन का गाना रूप तेरा मस्ताना का रिमिक्स गाना गाया, जिससे उन्हें काफी लोकप्रियता मिली। साल 1999 में शान ने भूल जा गाना लिखा, जिसे भी दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में गाना गाया। इसके बाद तो उन्होंने लगान, साथिया, हम तुम, लक्ष्य, फना, भूल भुलैया, ओम शांति ओम आदि कई फिल्मों में सुपरहिट गाना गाया। जब से तेरे नैना, हे शोना, बहती हवा सा था वो आदि कई सदाबहार गाने को उन्होंने अपनी आवाज दी है। गायकी के अलावा शान, संगीतकार, अभिनेता और टेलीविजन होस्ट की भूमिका भी निभा चुके हैं। वह दमन ए विक्टिम ऑफ मैरिटल वायलेंस फिल्म में अभिनय भी किया है। इसके अलावा जमीन और हंगामा जैसी फिल्मों में अपने गाने में नजर भी आ चुके हैं। इसके अलावा वह टीवी पर सारेगामापा, सारेगामापा लिटिल चैम्प्स, स्टार वॉयस ऑफ इंडिया और म्यूजिक का महामुकबला सहित कई अन्य शोज में भी नजर आए हैं। शान ने हिंदी के अलावा बंगाली, मराठी, उर्दू, तेलुगु और कन्नड़ भाषा में भी गाने गाए हैं।

अपने करियर में एक से बढ़कर गाने गाने वाले शान, निजी जिंदगी में लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हैं। बात करें उनके निजी जीवन की तो, उन्होंने राधिका मुखर्जी से शादी की है। दोनों साल 2003 में शादी के बंधन में बंध गए थे। इस शादी से दोनों को दो बेटे हैं, जिनका नाम सोहम और शुभ है। राधिका बिजनेस फैमिली से संबंध रखती हैं, दोनों की मुलाकात तब हुई थी, जब शान की उम्र 24 साल की थी। शान अक्सर सोशल मीडिया पर अपने बचों के संग तस्वीरें साझा करते हैं।

ग्राउंड जीरों सीएम आतिशी: दिवाली तक गड्ढामुक्त हो जाएंगी दिल्ली की सड़कें, मंत्री से विधायकों तक का निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली की खराब सड़कों को ठीक करने के लिए सरकार ग्राउंड जीरों पर उतर चुकी है। पीडब्ल्यूडी की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए काम चल रहा है। सीएम आतिशी ने एनएसआईसी ओखला, मोदी मिल फ्लाइओवर, चिराग दिल्ली, तुगलकाबाद एक्सटेंशन, मथुरा रोड, आश्रम चौक व अंडरपास की महत्वपूर्ण सड़कों का निरीक्षण किया। अगले एक सप्ताह में दिल्ली में पीडब्ल्यूडी की 1400 किमी सड़कों के एक-एक इंच का निरीक्षण होगा। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के बाद कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि महीने भर में शहर में पीडब्ल्यूडी की सभी सड़कों को जरूरत के अनुसार युद्धस्तर पर रिपेयर किया जाए। हमारा प्रयास है कि, अरविंद केजरीवाल जी के मार्गदर्शन में दीपावली तक सभी दिल्लीवालों को गड्ढामुक्त सड़कें मिले। आगे कहा कि विरोधियों ने दिल्ली सरकार के काम

रोकने की कोशिश की, नेताओं को जेल में डाला, लेकिन अब अरविंद केजरीवाल जी बाहर हैं और उनके मार्गदर्शन में दिल्लीवालों के सभी काम होंगे। वहीं दूसरी तरफ पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर मैंने और सौरभ भारद्वाज ने पूर्वी दिल्ली की कुछ सड़कों का निरीक्षण किया। हमने पाया कि कई सड़कें खराब हालत में हैं। निरीक्षण के दौरान आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि कुछ जगहों पर काम चल रहा था और सड़क पिछले 7-8 महीनों से खोदी हुई थी। कुछ जगहों पर गड्ढे खुले पड़े हैं। हम इस पर काम करेंगे और सड़कों को ठीक किया जाएगा। भाजपा ने दिल्ली की जनता को परेशान करने के लिए दिल्ली की सारी सड़कें बर्बाद कर दी हैं। अब जब अरविंद केजरीवाल वापस आ गए हैं, तो सभी लंबित काम युद्ध स्तर पर पूरे किए जाएंगे।

सीएम आतिशी पर सांसद मनोज तिवारी का तंज

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा दिल्ली में सड़कों की स्थिति का निरीक्षण करने पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कहा कि जो लोग 4.8 साल तक सोते रहे, वे अब दिखावा करने के लिए सड़कों पर आ रहे हैं। आगे कहा कि आतिशी ने साबित कर दिया है कि अरविंद केजरीवाल पूरी तरह से बेकार मुख्यमंत्री थे क्योंकि अरविंद केजरीवाल ने कभी सड़कों का निरीक्षण नहीं किया। दिल्ली की जनता अब इन लोगों को हमेशा के लिए भेज देगी क्योंकि दिल्ली की जनता समझ गई है कि चुनाव के समय ये सब मीठी-मीठी बातें करते हैं और अछे कदम उठाते हैं। दिल्ली की जनता इन्हें सजा देगी।

मंत्री सौरभ भारद्वाज और पूर्व उप मुख्यमंत्री सिसोदिया मुहिम पर, पटपड़गंज की सड़कों का लिया जायजा

नई दिल्ली ।

दिवाली से पहले दिल्ली की सड़कों की हालत सुधारने के लिए दिल्ली के मंत्री और पूर्व उप मुख्यमंत्री सिसोदिया सरकारी अभियान के तहत सड़कों पर उतर आये हैं। आज सवेरे मंत्री सौरभ भारद्वाज और पटपड़गंज से विधायक मनीष सिसोदिया ने इलाके की सड़कों का जायजा लिया। मनीष सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर मैंने और सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली की कुछ सड़कों का निरीक्षण किया है। हमने देखा कि कई सड़कें ख़राब हालत में थीं। कुछ जगहों पर पिछले 7-8 महीने से काम चल रहा था और सड़क खोदी गई थी। कुछ स्थानों पर गड्ढे खुले छोड़ दिए गए हैं। हम इस पर काम करेंगे और सड़कों का नवीनीकरण किया जायेगा। बीजेपी ने दिल्ली की जनता को परेशान करने के लिए दिल्ली की सभी सड़कें बर्बाद कर दी हैं...अब जब अरविंद केजरीवाल वापस आ गए हैं तो सभी रुके हुए काम जल्द पूरे किए जाएंगे। अरविंद केजरीवाल ने सीएम के साथ-साथ सभी मंत्रियों को इस पर काम करने का निर्देश दिया है। पिछले सप्ताह पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री आतिशी के साथ दो अलग-अलग सड़कों का दौरा किया था। इसके बाद टूटी सड़कों को लेकर सीएम को पत्र लिखा था। इस संबंध में रविवार को मुख्यमंत्री ने उचस्तरीय बैठक में सड़कों की स्थिति सुधारने को लेकर मंथन किया। दिल्ली सचिवालय में सभी मंत्रियों और पीडब्ल्यूडी के साथ बैठक में सीएम ने निर्णय लिया कि सोमवार से पूरी कैबिनेट स्थानीय विधायकों और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ सड़कों पर उतरेगी। मंत्री एक-एक सड़क का मूल्यांकन करेंगे। इस दौरान देखा जाएगा कि किस सड़क की मरम्मत करनी है या दोबारा बनानी है। एक सप्ताह में मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी होगी। अगले सप्ताह से सड़कों को ठीक का काम शुरू हो जाएगा।

अमित शाह बोले- पीएम मोदी को लेकर खड़गे की टिप्पणी अपमानजनक और अत्यंत खराब

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जम्मू-कश्मीर में एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी को ''अत्यंत खराब और अपमानजनक करार दिया। अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर लिखा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी ने अपने भाषण में कल ''अत्यंत खराब और अपमानजनक व्यवहार किया। शाह ने लिखा, ''कटु तरीके से नफरत दिखाते हुए उन्होंने अपने निजी स्वास्थ्य के मामले में प्रधानमंत्री मोदी को अनावश्यक रूप से घसीटा और कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी को हटाने से पहले नहीं मरेंगे। उन्होंने कहा कि खड़गे की टिप्पणी से पता चलता है कि कांग्रेस के लोगों में प्रधानमंत्री मोदी के प्रति कितनी नफरत और डर है तथा वे लगातार उन्हीं के बारे में सोचते रहते हैं। मंत्री

ने कहा, ''जहां तक खड़गे जी के स्वास्थ्य का सवाल है, तो मोदी जी, मैं और हम सभी प्रार्थना करते हैं कि वह दीर्घायु हों और स्वस्थ जीवन जिएं। वह अनेक वर्षों तक जीवित रहें । वह 2047 तक विकसित भारत का निर्माण होता देखने के लिए जीवित रहें। जम्मू-कश्मीर के जसरोटा में रविवार को आयोजित एक रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तबीयत खराब हो गई, लेकिन कुछ देर रुकने के बाद उन्होंने अपना भाषण जारी रखा और सत्तारूढ़ दल पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाने से पहले वह मरेंगे नहीं। खड़गे ने कांपती आवाज में कहा, ''जब हमारी सरकार आएगी तो हम आतंकवाद को खत्म कर देंगे। इसके बाद वह कुछ देर के लिए रुके, जिसके बाद मंच पर मौजूद उनके सहयोगी और अन्य लोग उनके पास आए और उन्हें कुर्सी पर बैठने में मदद की। रैली स्थल पर चिकित्सा सहायता मिलने के बाद खड़गे ने कहा, हम राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ेंगे। कुछ भी हो, हम इसे छोड़ने वाले नहीं हैं। मैं 83 साल का हो गया हूं, मैं इतनी जल्दी मरने वाला नहीं हूं। जब तक (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी को सत्ता से नहीं हटाएंगे, तब तक मैं जिंदा ही रहूंगा। आपकी बात सुनूंगा। आपके लिए लड़ूंगा।

डीयू के 12 कॉलेजों का स्पेशल ऑडिट शुरू, सीएम आतिशी ने उठाए था वित्तीय अनियमितता का मुद्दा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने डीयू के 12 कॉलेजों का विशेष ऑडिट शुरू किया है. मुख्यमंत्री आतिशी की ओर से उठाए गए वित्तीय अनियमितताओं के मुद्दे की जांच के लिए ये कदम उठाया गया है. एक हाई लेवल कमेटी की ओर से स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद ऑडिट निदेशालय ने स्पेशल ऑडिट करने के लिए 8 सदस्यीय टीम को नियुक्त किया है. पिछले हफ्ते जारी एक आदेश में ऑडिट डिपार्टमेंट ने उच्च शिक्षा निदेशालय के सचिव को कॉलेजों को ऑडिट टीम को सभी जरुरी रिकॉर्ड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था. हाई लेवल कमेटी की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली यूनिवर्सिटी से संबद्ध 12 कॉलेजों (पूरी तरह से दिल्ली सरकार से वित्त पोषित) से संबंधित मुद्दों की जांच पर एक विशेष ऑडिट आयोजित करने के लिए सक्षम अथॉरिटी की मंजूरी से अवगत

कराने का निर्देश दिया गया है. पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक 27 सितंबर के आदेश में आगे निर्देश दिया गया कि संबंधित कॉलेज ऑडिट टीम को सभी रिकॉर्ड, बैठने की व्यवस्था और सचिवीय सहायता प्रदान करें. पिछले महीने, एकेडमिक काउंसिल और एग्जीक्यूटिव काउंसिल, दिल्ली यूनिवर्सिटी की एक संयुक्त बैठक में (डीयू) ने आरोपों की जांच के लिए गठित 10 सदस्यीय समिति के निष्कर्षों को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया. समिति ने अपनी रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला कि डीयू के 12 कॉलेजों में कोई वित्तीय अनियमितता नहीं पाई गई, जैसा कि आतिशी ने आरोप लगाया था. यूनिवर्सिटी ने कहा कि वह राज्य सरकार से समिति की सिफारिशों पर विचार करने का अनुरोध करेगी और आतिशी से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को लिखे अपने पत्र को वापस लेने की भी मांग की, जिसमें उन्होंने 12 डीयू कॉलेजों की मान्यता रद्द करने का सुझाव दिया था. पिछले साल दिसंबर में, आतिशी ने दिल्ली सरकार की ओर से फंडेड दिल्ली यूनिवर्सिटी के 12 कॉलेजों में सार्वजनिक खजाने से सैकड़ों करोड़ रुपये की खामियों का हवाला देते हुए अनियमितताओं का जिक्र किया था. उन्होंने सुझाव दिया कि या तो कॉलेजों को दिल्ली सरकार के तहत विलय कर दिया जाए या केंद्र को पूर्ण नियंत्रण लेने की अनुमति दी जाए.

बर्दाश्त नहीं करेंगे... सीजेआई चंद्रचूड़ के सामने आया पूर्व सीजेआई का केस, देखते ही बोले- आप लिखित में देंगे फिर हम देखेंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सीजेआई चंद्रचूड़ के सामने पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई का केस आया. सुप्रीम कोर्ट में पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई को एक जनहित याचिका में पक्षकार बनाए जाने और सेवा विवाद से संबंधित याचिका को खारिज करने संबंधी मामले में उनके खिलाफ आंतरिक जांच की मांग की गई. इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने पुणे में रहने वाले वादी को फटकार लगाई. सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच ने वादी से कहा, 'आप किसी जज को प्रतिवादी बनाकर जनहित याचिका कैसे दायर कर सकते हैं? कुछ तो गरिमा होनी चाहिए. आप बस यह नहीं कह सकते कि मैं एक जज के खिलाफ आंतरिक जांच चाहता हूं. जस्टिस रंजन गोगोई सुप्रीम कोर्ट के पूर्व प्रधान न्यायाधीश थे.' सीजेआई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने कहा, 'वह भारत के प्रधान न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हुए. आप यह नहीं कह सकते कि मैं किसी न्यायाधीश के खिलाफ आंतरिक जांच चाहता हूं क्योंकि आप पीठ के समक्ष सफल नहीं हुए। क्षमा करें, हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते.'

याचिकाकर्ता ने श्रम कानूनों के तहत उसकी सेवा समाप्त किए जाने से संबंधित उसकी याचिका को जस्टिस गोगोई के नेतृत्व वाली पीठ द्वारा खारिज किए जाने के बाद एक जनहित याचिका दायर की थी. जस्टिस गोगोई रिटायर हो चुके हैं. मामले की शुरुआत में ही चीफ जस्टिस ने उस समय नाराजगी जताई जब वादी ने पीठ के कुछ सवालों के जवाब में 'यस' के बजाय 'या-या' कहा. इतना सुनते ही चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ भड़क गए. उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, 'यह 'या-या' क्या है?

ये कोई कॉफी शॉप नहीं है. मुझे इस 'या-या' से बहुत एलर्जी है.इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती.' इसके बाद वादी ने कहा कि यह अवैध रूप से सेवा समाप्त किए जाने का मामला है. सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'याचिका और पुनर्विचार याचिका खारिज होने के बाद आप सेवा मामले में जनहित याचिका कैसे दायर कर सकते हैं, आपको सुधारात्मक याचिका दायर करनी चाहिए थी.' उन्होंने वादी को कानूनी मुद्दों और प्रक्रियात्मक आपत्तियों को समझाने के लिए मराठी भाषा में भी बात की और उससे शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री के समक्ष यह बयान देने के लिए कहा कि वह पूर्व प्रधान न्यायाधीश का नाम पक्षकारों की सूची से हटा देगा. प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'ज़क्या आप न्यायमूर्ति गोगोई का नाम हटाएंगे? क्या आप यह लिखित में देंगे आप पहले इसे हटाएं और फिर हम देखेंगे.' रिटायर हो चुके जस्टिस गोगोई वर्तमान में रायसभा सदस्य हैं. वह न्यायपालिका में शीर्ष पद तक पहुंचने वाले पूर्वोत्तर के पहले व्यक्ति हैं और उन्हें दशकों पुराने राजनीतिक और धार्मिक रूप से संवेदनशील अयोध्या भूमि विवाद मुद्दे को हल करने का श्रेय दिया जाता है. वह 17 नवंबर, 2019 को चीफ जस्टिस के पद से रिटायर हुए थे.

SANT RAVIDAS COMMUNICATION
PRINTERS & ADVERTISERS
प्रचार-प्रसार नही तो व्यापार नही
हिन्दी, इंग्लिश समाचार-पत्रो में
कोर्ट/पब्लिक नोटिस, गुमशुदा, शुभकामनाऐं, श्रद्धांजली, अपील, खोया-पाया, बेदखली नामा, नाम परिवर्तन, सार्वजनिक सूचना, जन्मदिन, शुभविवाह व अन्य क्लासीफाइड विज्ञापन प्रकाशित/छपवाने के लिए संपर्क करे:-
FLAX & ALL PRINTING WORKS
फ्लैक्स बोर्ड, न्यूजपेपर, मैगजिन, पोस्टर, बेनर, हैड बिल व शादी कार्ड व अन्य सभी प्रकार कि प्रिंटिग करवाने के लिए संपर्क करे।
विज्ञापन, साईन बोर्ड, पोल बोर्ड, ऑटो रिक्शा फ्लैक्स, राजनैतिक प्रचार-प्रसार, टीवी चैनलो, यू-ट्यूब व अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन के लिए संपर्क करे।
Add: B-2 Block H.No. 444, Ground Floor, Near by buddh temple, Sultanpuri, Delhi-86
Mo. 9582670662, E-Mail: santravidascommunication@gmail.com

बॉडी को नाले में फेंकने में निभाई थी भूमिका, अब दिल्ली पुलिस ने भगौड़े हत्यारोपी को बिहार से दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक ऐसे फरार भगौड़े को गिरफ्तार करने में कमायाबी पाई है, जिस पर हत्या समेत कई संगीन मामले दर्ज हैं. पिछले कई सालों से पालम गांव थाने की पुलिस हत्या के एक मामले में आरोपी की तलाश में थी. पुलिस ने आरोपी की पप्पू यादव के रूप में की है. पप्पू यादव बिहार के नालंदा जिला का रहने वाला है. आरोपी को अदालत ने भगौडा घोषित कर रखा है. अपराध शाखा की टीम ने बिहार के बिहार शरीफ में छापा मारकर आरोपी को गिरफ्तार किया. डीसीपी अमित गोयल के मुताबिक 26 जनवरी 2020 को पालम थाना इलाके में एक महिला की हत्या की एक वारदात हुई थी. उसके पिता शंभू

यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी बेटी लापता थी. बाद में उसकी हत्या कर दिए जाने की जानकारी उसे मिली थी. उसकी बॉडी द्वारका सेक्टर 19 नाले में मिली थी. मृतका के पिता ने ससुराल वालों पर दहेज की मांग पूरी न होने पर बेटी की हत्या का आरोप लगाया था. पीड़ित पिता के बयान के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था. पुलिस को हत्या के मामले में आरोपी पप्पू यादव, जो मृतका के पति नीरज यादव का चाचा है, की तलाश थी. आरोपी ने मृतका की हत्या के बाद बॉडी को पैक कर नाले में फेंकने में अहम भूमिका निभाई थी. बॉडी को ठिकाने लगाने के लिए गाड़ी की व्यवस्था भी उसी ने की थी. इस मामले में पालम गांव की पुलिस तभी से उसकी तलाश में कर रही थी, फरार हो जाने की वजह से उसका कुछ पता नहीं चल पा रहा था. जिस पर अपराध शाखा की पुलिस को इसकी गिरफ्तारी का काम सौंपा गया था. आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए एसीपी उमेश बर्थवाल की देखरेख में इंस्पेक्टर योगेश, विनोद यादव, एसआई दीपेंद्र, गुरमीत, इमरान, देवीदयाल, एएसआई उमरदीन, हेड कॉन्स्टेबल परमानंद, राजवीर, आशीष, राम नरेश और कांस्टेबल कुलदीप की टीम का गठन किया गया था. जांच में जुटी टीम लगातार आरोपी के बारे में जानकारियों को विकसित करने में लगी हुई थी. इसका पता लगाने के लिए टेक्निकल सर्विलांस के साथ लोकल इंटेलिजेंस का भी सहारा लिया गया. आखिरकार पुलिस की मेहनत रंग लाई और वे आरोपी की लोकेशन को बिहार में ट्रैक करने में कामयाब हुए. जिस पर तुरंत ही एक टीम बिहार के लिए रवाना हुई. जांच टीम ने बिहार शरीफ में छापा मारकर आरोपी को दबोच लिया.

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने अपना गुनाह स्वीकारते हुए बताया कि अपने भतीजे की पत्नी की हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद वह दिल्ली से भागकर बिहार चला आया था, जहां वह लगातार छुपकर रह रहा था. इस मामले में पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में जुटी है.

अमित शाह का ऐलान, शीतकालीन सत्र में पारित होगा वक्फ बिल, विरोध करने वाले सीधे हो जाएंगे

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस साल के अंत में शीतकालीन सत्र के दौरान वक्फ संशोधन विधेयक पारित करने की कसम खाई। हरियाणा में एक चुनावी सभा के दौरान शाह ने कहा कि कानून बनने के बाद इसका विरोध करने वाले लोग सीधे हो जाएंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आपको वक्फ बोर्ड पर मौजूदा कानून से समस्या है। हम संसद के शीतकालीन सत्र में इसमें संशोधन करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले महीने कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया था कि केंद्र के वक्फ विधेयक

का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना है। गृह मंत्री ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड का कानून बहुत सारी समस्याएं पैदा कर रहा है ना? इस शीतकालीन सत्र में हम सुधार कर इसे दुरुस्त कर देंगे। वक्फ बिल पर बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि देश के मुसलमान इस बिल का स्वागत करेंगे। मुसलमानों की लंबे समय से मांग थी कि वक्फ कानून में संशोधन किया जाए क्योंकि वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्य मौजूदा बिल का इस्तेमाल कर लूट कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस ने इसका इस्तेमाल वोट बैंक की राजनीति के लिए किया। जमाल सिद्दीकी ने कहा कि अब उम्मीद है कि सभी को फायदा होगा।

रोजगार सृजन को लेकर मोदी सरकार ने डेटा से की छेड़छाड़. कांग्रेस बोली- 2014-2024 में बढ़ी बेरोजगारी

नई दिल्ली । कांग्रेस ने रोजगार सृजन डेटा पर सरकार के दावों पर सवाल उठाया और कहा कि कोई भी स्पिन डॉक्टरिंग इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकती है कि 2014-2024 में नौकरियों के आभाव में वृद्ध देखी गई। संदर्भ जुलाई में जारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) केएलईएमएस (पूंजी, श्रम, ऊर्जा, सामग्री और सेवाओं के लिए संक्षिप्त नाम) डेटा रिपोर्ट का हवाला दिया जा रहा है। इसमें कहा गया था कि पिछले तीन-चार में लगभग 80 करोड़ नई नौकरियां पैदा हुईं। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी व्यापक बेरोजगारी के विपक्ष के दावों को खारिज करते हुए उसी रिपोर्ट का हवाला दिया था। रिपोर्ट में पेश किए गए तथ्य का हवाला देते हुए कांग्रेस ने दावा किया कि मौजूदा सत्ताधारी सरकार ने महिलाओं द्वारा किए गए अवैतनिक घरेलू काम को रोज़गार के बराबर माना है, जो कोई नया रोजगार सृजन नहीं है। दावा किया गया रोजगार वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा महिलाओं द्वारा किए गए अवैतनिक घरेलू काम को रोजगार के रूप में दर्ज करना है। यह नई नौकरी का सृजन नहीं है। रमेश ने कहा कि 80 मिलियन नई नौकरियाँ शीर्षक में नौकरियों की गुणवत्ता पर चर्चा भी शामिल नहीं है। खराब आर्थिक माहौल के बीच, श्रम बाजार में वेतनभोगी, औपचारिक रोजगार की हिस्सेदारी में कमी आई है। कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, श्रमिक कम उत्पादकता वाली अनौपचारिक और कृषि नौकरियों की ओर जा रहे हैं, जिसे केएलईएमएस नौकरियों के सृजन के रूप में हासिल कर रहा है। देश में रोजगार सृजन को लेकर मोदी सरकार ने डेटा से छेड़छाड़ कर पूरी तरह से फर्जी दावे किए हैं।

VOTE SUPPORT ELECT
RAJIV TEHLAN
ADVOCATE
FOR
PRESIDENT
Rohini Court Bar Association

Chamber No. 230, Lawyers
Chamber, Rohini Court, Delhi
Mobile : 9910792108

निगम में आप पार्टी की छवि को धूमिल कर रहे है, भ्रष्ट अभियंता

सिविल लाईन जोन, भवन विभाग-2 में बिल्डर माफिया और भ्रष्ट अभियंताओं की मिलीभगत से अवैध निर्माण युद्ध स्तर पर जारी....

भ्रष्टाचार की काली कमाई से अभियंताओं और उपायुक्त की भरी तिजोरियां

दि.न.नि के आयुक्त श्री अश्वनी कुमार व मुख्य सतर्कता अधिकारी जी आप के राज में चल रहा है भष्टाचार का खेल?

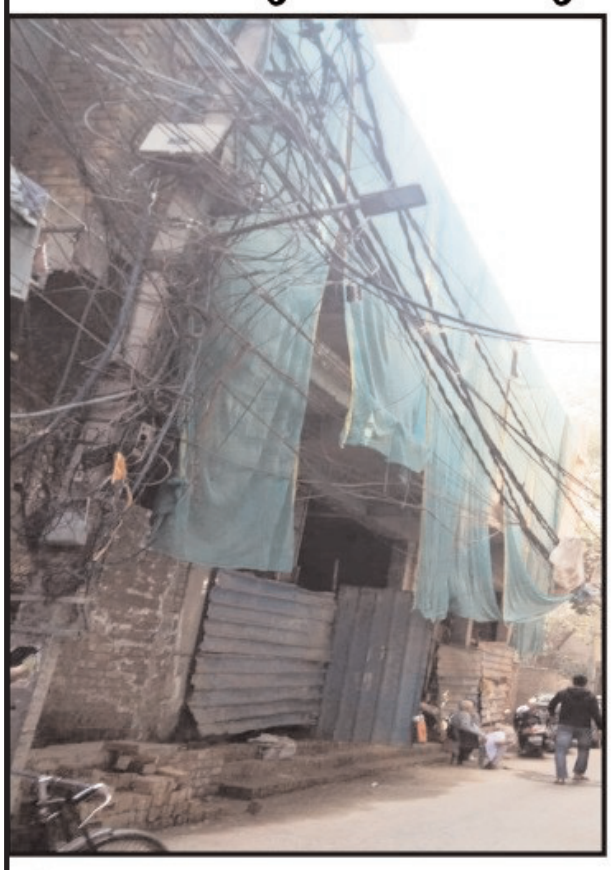

सिविल लाईन जोन में बिल्डर माफिया का राज, स्लम युक्त बनते जा रहे है, सभी वार्ड में चार से पांच मंजिला, अवैध बिल्डिंग व अवैध बेसमेन्ट सहित गैर-कानूनी तरीके से धड़ल्ले से किए जा रहे है अवैध निर्माण

भवन विभाग-2, ई.ई श्री राहुल सारस्वत, ए.ई श्री एस.ए.नेयाजी, श्री धीरेन्द्र कुमार, श्री संजीव कुमार, श्री राम, जे.ई श्री गौरव यादव, श्री एल.एन.मीणा, श्री चरणजीत ने वार्ड नं. 14 (धीरपुर), 16 (आजादपुर), 17 (भलस्वा डेरी), 19 (सरूप नगर), 20 (समयपुर बादली) में

बिल्डर माफिया और प्राईवेट बेलदारो के मार्फत से की जा रही करोड़ो रूपये के अवैध उगाही

काले धन से खरीदी करोड़ो रूपये की चल-अचल, बेनामी सम्पत्ति की जांच

श्रीमान निदेशक, सीबीआई, भारत सरकार से कराकर अभियंताओं को किया जाए गिरफ्तार

विज्ञापन..... अध्यक्ष: अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा

झजर पुलिस की हिरासत से भागा लूट का आरोपी, बरामदगी के लिए गांव लेकर गए थी कर्मचारी

सोनीपत । गांव बिचपड़ी से लूट का आरोपी झजर पुलिस की हिरासत से फरार हो गया। पुलिस आरोपी को रिमांड पर लेकर लूट में प्रयुक्त पिस्तौल व मोबाइल बरामद करने के लिए गांव बिचपड़ी लेकर पहुंची थी। आरोप है कि आरोपी युवक की मां व भाई ने पुलिस से हाथापाई कर दी। जिसका फायदा उठाकर आरोपी दीवार से कूदकर भाग गया। झजर पुलिस के एसआई ने सदर थाना गोहाना में मुकदमा दर्ज कराया है। झजर के सदर थाना में नियुक्त एसआई साधु राम ने थाना सदर गोहाना पुलिस को शिकायत दी है कि 11 सितंबर को सदर थाना झजर में लूट का मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसमें झजर के गांव कडौदा निवासी भगवत दयाल ने पुलिस को बताया था कि वह बस का मालिक है। वह कार लेकर घर से निकले थे। तभी रास्ते में एक युवक ने कार को रुकवा लिया था। उसके बाद दो अन्य युवक आए थे और पिस्तौल दिखाकर कार, मोबाइल व नकदी लूट ले गए थे। जिसमें तीन आरोपी पकड़े गए थे। जिसमें बिचपड़ी निवासी अमित, सिटवाली निवासी प्रदीप व जींद के सफीदों निवासी रवि को पकड़ा था। पुलिस को अमित से मोबाइल व प्रदीप से पिस्तौल बरामद करना था। मामले में पुलिस रविवार को आरोपी अमित को लेकर गांव बिचपड़ी पहुंची थी। एसआई साधुराम ने बताया कि पुलिस टीम रविवार को आरोपी अमित को लेकर उसके गांव बिचपड़ी पहुंची थी। गांव में अमित ने पुलिस की कार को रुकवा लिया। अमित कार से उतरा तो तभी उसका भाई महाबीर व मां सरतो देवी वहां आ गए। दोनों ने पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई शुरू कर दी। इसी दौरान अमित दीवार कूदकर वहां से भाग गया। झजर पुलिस टीम ने मामले से अधिकारियों को अवगत कराने के साथ ही आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस को उसका कोई सुराग नहीं लग सका। जिसके बाद पुलिस ने देर रात अमित, उसकी मां व भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

राहुल गांधी पर सीएम योगी ने साधा निशाना , कहा- राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश का विभाजन कांग्रेस ने कराया

बवानी खेड़ा । हरियाणा विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए अब सिर्फ 4 दिन ही बचे हुए हैं ऐसे में पार्टी के स्टार प्रचारक प्रत्याशियों के जिताने के लिए बड़ी- बड़ी जनसभाएं कर रहे हैं। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भिवानी जिले के बवानी खेड़ा से बीजेपी प्रत्याशी कपूर वाल्मीकि के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान सीएम ने कहा, बवानी खेड़ा विधान सभा क्षेत्र वासी हर बूथ पर कमल खिलाने जा रहे हैं।

हरियाणा में बीजेपी की एक बार फिर सरकार बनाने की अपील की। जनसभा में सीएम योगी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब कोरोना संकट से देश जूझ रहा था तो हमारे नेता देश की जनता की सेवा में लगे थे लेकिन तब राहुल गांधी अपने नानी के घर थे। उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी दूसरे प्रदेश में जाते हैं तो पहले प्रदेश को कोसते है और विदेश में जाने के बाद वह भारत को कोसते हैं, कांग्रेस पार्टी ने आतंकवाद और अलगाववाद को बढ़ाने का काम किया है। कांग्रेस ने देश की संस्कृति को रौंदने का काम किया है। कांग्रेस ने देश को लूट कर दूसरे देश के बैंकों में पैसा जमा किया। संकट के समय कांग्रेस को इटली याद आती है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश का विभाजन कांग्रेस ने करवा। राम मंदिर बनने से कांग्रेस दुखी है।

इटली जाकर भारत को कोसते है राहुल

मंच से संबोधन के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कांग्रेस पार्टी पर भी जमकर बरसे और कहां की कांग्रेस के साथ विपक्ष से सवाल पूछे कि इन लोगों के एजेंडे में कोई भी वर्ग नहीं है,इनका एजेंडा बांटो राज करो का है।इन्होंने तो कश्मीर में धारा 370 लगाई थी। देश के पीएम नरेंद्र मोदी ने धारा 370 हटाकर आतंकवाद के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का काम किया है।कांग्रेस ने आतंकवाद और अलगाववाद को बढ़ाने का काम किया है।कांग्रेस के राहुल गांधी जहां जहां जाते है वहां -वहां दूसरे प्रदेश को कोसते है और इटली जाकर भारत को कोसते है।

बीजेपी की सरकार बनते ही सारे विवाद खत्म करवा

कांग्रेस के राज में देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं थी। आज पाकिस्तान और चीन भारत में घुसने का नाम नहीं लेते है।सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से दुश्मन का काम तमाम हमारे जवान करते है।अयोध्या में अब तो राम मंदिर भी बन गया है। बीजेपी की सरकार बनते ही सारे विवाद खत्म करवा दिए गए है।अयोध्या अब विकास के पथ पर है।हरियाणा में डबल इंजन की सरकार बनने पर विकास कार्यों में बहुत आगे बढ़ा है। विकास समान रूप से हर जिले में हो रहा है। उन्होंने एक बार फिर बीजेपी की सरकार बनाने की अपील की।

गांव की महिला सरपंच की अनूठी पहल, बाग में रोपित किए जाएंगे पांच हजार फलदार पौधे

सोनीपत।

जुआं गांव की पंचायत ने बड़ा फैसला लेते हुए अनूठी पहल शुरू की है। गांव की महिला सरपंच ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति कदम उठाते हुए 32 एकड़ पंचायती भूमि पर पौधारोपण करने का फैसला लिया है। गांव में एक अक्टूबर को पांच हजार अलग-अलग तरह के पौधे लगाए जाएंगे। जुआं में स्थापित होने वाला यह बाग प्रदेश का सबसे बड़ा ऑक्सीजन बाग होगा। बाग के अंदर छायादार से लेकर औषधी युक्त पौधे रोपित किए जाएंगे। पौधरोपण के लिए जमीन के लेवल व गड्ढे बनाने का कार्य व तारबंदी का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। जुआं गांव में दो पंचायतें हैं। जुआं -1 सुशीला देवी सरपंच हैं। गांव में पंचायती जमीन को पट्टे पर दिया जाता था, इस आय को गांव के विकास कार्यों पर खर्च किया जाता था। वहीं गांव को हर-भरा बनाने के लिए सुशीला देवी ने बड़ा फैसला लेते हुए पंचायती जमीन

पर बड़े स्तर पर पौधरोपण करने की ठानी। पंचायत की 32 एकड़ भूमि की बोली करवाने की बजाय पौधरोपण कर गांव की आबो-हवा शुद्ध करने के लिए कदम उठाया है। पौधरोपण पंचायती विभाग व जिला प्रशासन के सहयोग से लगाने का काम किया जा रहा है। पंचायती व पर्यावरण मित्रों की तरफ से जमीन के लेवल व पौधरोपण करने के लिए गड्ढे खोदने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। वहीं पौधों की सुरक्षा के लिए बाग के चारों तरफ तारबंदी करने का कार्य किया जा रहा है। गांव के सबसे बुजुर्ग बताते हैं कि गांव में हजारों की संख्या में छायादार व फलदार पौधे थे जोकि समय के चलते या को टूट गए, या काट दिए गए। इसके चले गांव में हरियाली घटती जा रही है। गांव की महिला सरपंच ने प्रशासनिक सहयोग के चलते गांव में पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए पौधरोपण का बेड़ा उठाया है, जोकि काबिले तारीफ है। महिला सरपंच का पति विनोद भी लंबे समय से पर्यावरण को बढ़ावा देने का काम करता आ रहा है। गांव की गलियां, नाले लगभग पक्के हैं। गांव में 18 घंटे तक बिजली आपूर्ति होती है। यादातर विकास कार्य पूरे हो चुके है, जो भी कार्य गांव के विकास के आते हैं, उन्हें समय रहते विभाग को अवगत कराकर पूरा करवाने का काम किया जाता है। वहीं गांव को हरा-भरा बनाने के लिए 32 एकड़ भूमि पर बड़े स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा जोकि प्रदेश का सबसे बड़ा ऑक्सीजन बाग होगा। पंचायत की तरफ से गांव की पंचायती भूमि पर पौधरोपण करने का प्रस्ताव दिया गया था जिसे जिला प्रशासनिक उच अधिकारियों को भेजा गया। प्रशासनिक अधिकारियों के दिशा-निर्देशों पर पौधारोपण करने के कार्य को अमल में लाया गया है। आगामी एक अक्टूबर को गांव में ग्रामीणों के साथ पौधे रोपित करने का काम किया जाएगा। - अंकुश, पंचायत सचिव।

लीला राम गुर्जर ने सुरजेवाला को दी वार्निंग, मुख्यमंत्री के मंच से कहा- औकात में रहें...हमसे बड़ा गुंडा शहर में कोई नहीं

कैथल।

कैथल के विधायक लीलाराम में रणदीप सिंह सुरजेवाला को भरे मंच से मुख्यमंत्री की मौजूदगी में चेतावनी दी है। लीलाराम ने कहा कि अगर सुरजेवाला औकात में रहकर चुनाव लड़ेगा तो हम प्यार से चुनाव लडेंगे, अगर गुंडागर्दी दिखाओगे तो शहर में हमसे बड़ा कोई गुंडा नहीं है। अगर सुरजेवाला किसी गलत फहमी में ही तो दूर कर ले, हम ईंट का जवाब पत्थर से देना जानते हैं। बात दें कि आज कैथल भाई उदय सिंह किले पर आयोजित जन आशीर्वाद रैली में हरियाणा के कार्यकारी मुख्यमंत्री नायब सैनी पहुंचे थे, जहां मंच से बोलते हुए लीला राम ने कहा कि सुरजेवाला के कार्यकर्ता आजकल बतमीजी पर उतर आए हैं। वह जो होर्डिंग लगवाते हैं उनको रात को उतरवा देते हैं, जो सड़कों पर पोस्टर लगवाते हैं उनको फाड़ देते हैं। जबकि उन्होंने आज तक सुरजेवाला के कोई भी होर्डिंग और पोस्टर नहीं हटवाए हैं। लीलाराम में चेतावनी देते

हुए कहां कि सुरजेवाला अगर किसी गलत फेमी में ही तो दूर कर लें, हम ईंट का जवाब पत्थर से देना जानते हैं। लीलाराम ने कहा कि अगर सुरजेवाला औकात में रहकर चुनाव लड़ेगा तो हम प्यार से चुनाव लडेंगे, अगर गुंडागर्दी दिखाओगे तो शहर में हमसे बड़ा कोई गुंडा नहीं है। बता दें कि पिछले चुनाव में भी लीलाराम और रणदीप सिंह सुरजेवाला के कार्यकर्ताओं के बीच शहर के आईटीआई बूथ पर झगड़ा हुआ था। जिसमें दोनों पक्षों के लोगों को काफी चोटें आई थी, जिला प्रशासन द्वारा आईटीआई बूथ को अति संवेदनशील की श्रेणी में रखा हुआ है।

वॉट्सऐप पर फौजी की पत्नी का फोटो लगाने पर हुआ विवाद, 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत; सैनिक समेत 4 के खिलाफ मामला दर्ज

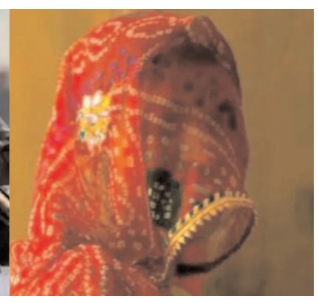

सिरसा। चट्ठा गांव में शनिवार रात को वॉट्सऐप स्टेटस पर महिला की फोटो लगाने पर हुए झगड़े में वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। रविवार को डबवाली के नागरिक अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव वारिसों को सौंप दिया। मृतक की पहचान 70 वर्षीय सुखदेव सिंह के रूप में हुई है। घटनाक्रम रात आठ बजे का बताया जा रहा है। गांव चट्ठा निवासी गुरबाज सिंह उर्फ बाजी भारतीय सेना में तैनात है। बताया जाता है कि मृतक का पोता गुरविंद्र सिंह पड़ोसी फौजी की पत्नी की फोटो व वीडियो वॉट्सऐप पर स्टेटस पर लगाता था। इसका फौजी को पता चला तो वह अपने गांव चट्ठा निवासी रिश्तेदार जसविंद्र सिंह, कुलवीर सिंह और भंगू निवासी एक अन्य के साथ उलाहना देने गुरविंद्र के घर पर गया था। चारों ने उसे आवाज लगाकर घर के बाहर बुलाया। बताया जाता है कि आरोपितों ने उसका मोबाइल छीन लिया। सुखदेव सिंह पोते का मोबाइल वापस करने के लिए चारों पर दबाव बनाने लगा तो आरोपितों ने वृद्ध को धक्का मारा। बाद में फौजी ने उसे लात मार दी। वह नीचे गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के बेटे हरपाल सिंह के बयान पर उक्त चारों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मृतक के बेटे जगतार उर्फ तारी ने बताया कि आरोपित उसके भतीजे गुरविंद्र को खोजते हुए सुबह 11 बजे भी घर आए थे। रात को पुनः आए तो झगड़ा हो गया था। आरोपितों ने भतीजे से मोबाइल छीन लिया था। वारदात के बाद आरोपित मोबाइल लेकर फरार हो गए। मोबाइल पर वॉट्सऐप स्टेटस पर फौजी की पत्नी की फोटो लगाने पर विवाद हुआ था। उन्हें पहले इसकी भनक तक नहीं लगी, कल ही इस बारे पता चला था।

इनेलो और बसपा गठबंधन की उम्मीदवार शीला नफे राठी ने झोंकी ताकत, डोर टू डोर किया प्रचार

बहादुरगढ । हरियाणा विधानसभा चुनाव का प्रचार अपने अंतिम दौर में पहुंच चुका हैं ऐसे में जीत के लिए प्रत्याशी दिन रात एक कर रहे हैं। इसकी कड़ी में बहादुरगढ विधानसभा से इनेलो बसपा की साझा उम्मीदवार शीला नफ़े राठी भी लगातार प्रचार अभियान जारी रखे हैं। शहर और गांवों में शीला राठी के प्रचार की जबरदस्त लहर है। शीला राठी ने मेट्रो स्टेशन से लेकर शहर के अंदर,रेलवे रोड, नाहरा नाहरी रोड पर व्यापारियों से मुलाकात कर वोट अपील की है। वहीं शीला राठी का लोगों ने फूलमालाओं से स्वागत भी किया। शीला नफ़े राठी के लिए ये चुनाव, न्याय और विकास का चुनाव है। न्याय स्व नफ़े सिंह राठी और उन परिवारों के लिए जिन्हें सरकार या अपराधियों ने सताया हुआ है। शीला नफ़े राठी बहादुरगढ की ऐसी पहली उम्मीदवार भी है जिसने बहादुरगढ का चहुंमुखी विकास कैसे हो, इसका रोड मैप और बहादुरगढ के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया है। शीला राठी ने शहर में सुरक्षा के लिए सीसीटीवी, बाजार में शौचालय की व्यवस्था, गांवों में 11-11 लाख के विकास कार्य अपने निजी कोष से करवाने और 15 से यादा नए आधुनिक पार्क शहर में बनाने का वादा किया है। शीला नफ़े राठी को मजबूत करने के लिए इनेलो और बसपा के बड़े नेता भी 1 अक्टूबर को बहादुरगढ आ रहे हैं। पहली अक्तूबर को सब्जी मंडी में शीला नफ़े राठी के लिए विशाल जनसभा करेंगे।

अनागरिक
गीता भारती

बहुत हुई बेरोजगारी व महंगाई की मार

हाथ बदलेगा हालात

इस बार कांग्रेस सरकार

सुलानपुर माजरा विधानसभा की पहचान

विजय कुमार भारती

पत्रकार, महासचिव: किराड़ी जिला

रिपब्लिकन मज़दूर संगठन

सक्षम भारत प्रिन्टर्स